

कोड नं.
Code No.

3/1/2

रोल नं.
Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका
के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका में कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।



हिंदी (अ)



निर्धारित समय : 3 घण्टे] [अधिकतम अंक : 80]

सामान्य निर्देश: इन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आवश्यक वक्ता नहीं दिया गया है। इन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आवश्यक वक्ता नहीं दिया गया है।

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िये और उनका अनुपालन कीजिए :

- प्रश्न-पत्र चार खंडों में विभाजित किया गया है - क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- खंड क में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।
- खंड ख में प्रश्न संख्या 2 से 5 तक प्रश्न व्याकरण के हैं।
- खंड ग में प्रश्न संख्या 6 से 10 तक प्रश्न पाठ्यपुस्तकों से हैं।
- खंड घ में प्रश्न संख्या 11 से 13 तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।



(vii) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द-सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।

(viii) प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि एक-एक अंक वाले 4 प्रश्नों में, दो-दो अंकों वाले 5 प्रश्नों में, तीन अंक वाले 1 प्रश्न में, पाँच-पाँच अंकों वाले दोनों प्रश्नों में और दस अंक वाले 1 प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

(ix) इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खंड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

खंड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफल कैसे होंगे? अतः आवश्यक है कि हम स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्वयं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है।

(क) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-सा गुण आवश्यक है और क्यों?

2

(ख) आत्मविश्वास क्यों आवश्यक है और कैसे जाग्रत हो सकता है?

2

(ग) स्वावलंबन का सहोदर किसे कहा गया है और क्यों?

2



- (घ) स्वावलंबन का अभाव मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण क्यों है? 2
- (ङ) 'आत्मबल' के लिए क्या आवश्यक है? 1
- (च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपर्युक्त शीर्षक लिखिए। 1

खंड - ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए- $1 \times 4 = 4$

(क) एक साल पहले बने कॉलेज में शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) जो व्यक्ति साहसी हैं उनके लिए कोई कार्य असंभव नहीं है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) सवार का संतुलन बिगड़ा और वह गिर गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) केवट ने कहा कि बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए- $1 \times 4 = 4$

(क) किसान के द्वारा खेत की जुताई की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) कितने कंबल बँटे? (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) आओ, यहाँ बैठ सकते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) सैनिकों द्वारा देश की रखवाली की जाती है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- $1 \times 4 = 4$

(क) सफेद घोड़ा तेज भागता है।

(ख) खीरा लज्जी़ होता है।

(ग) यह भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है?

(घ) वह हमेशा सच बोलता है।



5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए- 1×4=4

- (क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए-प्रतीकी के 'जागमाद' (इ)
एक ओर अजगरहि लखि, एक ओर मृगराय। नाश प्रतीकी के प्राणपा काषाय (इ)
विकल बटोही बीच ही, पर्यो मूरछा खाय ॥
- (ख) 'रौद्र रस' का एक उदाहरण लिखिए। उदाहरण में आंतरिक विकल है
- (ग) 'करुण रस' का स्थायी भाव क्या है? करुण यह जीर्णप्रतीकी सामग्री का ग्रन्थ है (ग)
- (घ) उद्दीपन से आप क्या समझते हैं? (प्रतीक में
- (ङ) स्थायी भाव से क्या अभिप्राय है? स्थायी भाव के उदाहरण में उद्दीपन द्वारा (ङ)

खंड - ग

(प्रतीक)

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में
लिखिए -- 2×4=8

- (क) बालगोबिन भगत के गीतों का खेतों में काम करते हुए और आते-जाते नर-
नारियों पर क्या प्रभाव पड़ता था?
- (ख) 'लखनवी अंदाज़' रचना में नवाब साहब की सनक को आप कहाँ तक उचित
ठहराएँगे? क्यों?
- (ग) फ़ादर बुल्के ने भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए क्या कार्य किए?
- (घ) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका के पिताजी के सकारात्मक और
नकारात्मक गुणों का उल्लेख कीजिए।
- (ङ) बिस्मिल्ला खाँ की तुलना कस्तूरी मृग से क्यों की गई है?

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2×3=6

पानवाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और
द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार
मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर



पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चशमा कैसे बनाया जाए - काँचवाला - यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चशमा टूट गया होगा। या पत्थर का चशमा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उँফ.....!

कल इतिहास का एक घटना किसी नियम के अनुरूप (प)

(क) पानवाले के लिए क्या बात मजेदार थी और क्यों? | प्रधीनी प्रा प्राप्ति

(ख) हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक 'बेचारा' क्यों था? (प)

प्रधीनी प्राप्ति का एक घटना किसी नियम के अनुरूप (उ)

(ग) हालदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चशमा न होने की क्या-क्या संभावनाएँ

व्यक्त कीं? | प्रधीनी प्राप्ति का एक घटना किसी नियम के अनुरूप (उ)

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - $2 \times 3 = 6$

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए। | प्रधीनी

समझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए। | जन डिल्ली डाल कि सज्ज डॉल (उ)

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए। | इस हाथ ही है इस हाथ कि

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए। | ड्रीम डिल्ली हमीनी प्राप्ति (प)

ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए। | इसके लिए इसके लिए यह यह कि

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए। | ड्रीम एक विषय तैयार कीजिए। | 5

ते क्यों अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए। | इसी तरह इसकी में ड्रीमीनी

राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए॥ | 11

(क) 'इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।' में निहित व्यंग्य को

समझाइए। | प्रधीनी

(ख) श्रीकृष्ण द्वारा चुराए गए मन को वापस माँगने में निहित गोपियों की मनोव्यथा को

स्पष्ट कीजिए | प्रधीनी

(ग) गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म क्या है? उन्होंने 'राजधर्म' का उल्लेख क्यों किया

है? | प्रधीनी



9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए - 2×4=8

- (क) 'अट नहीं रही है' कविता में 'उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो' के आलोक में बताइए कि फागुन लोगों के मन को किस तरह प्रभावित करता है?
- (ख) शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन ने क्या कल्पना की?
- (ग) प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा क्यों कहा गया है? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए।
- (घ) 'संगतकार' कविता में कवि ने आम लोगों से क्या अपेक्षा की है?
- (ङ) परशुराम के प्रति लक्ष्मण के व्यवहार पर अपने विचार लिखिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- 3×2=6

- (क) 'बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं।' 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
- (ख) जॉर्ज पंचम की लाट की टूटी नाक लगाने के क्रम में पुरातत्व विभाग की फाइलों की छानबीन की ज़रूरत क्यों आ गई? क्या उससे समाधान संभव था? क्यों?
- (ग) यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम हैं। 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तान्त के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

खंड - घ

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए- 10

- (क) महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती
- मनाने के उद्देश्य
 - गांधीजी का जीवन
 - आजादी के आंदोलन में भूमिका
 - प्रासंगिकता



SET - 2

क्रौड नं.
Code No.

3/1/2

परीक्षार्थी कोड नं. 3/1/2
के मुख्य-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

(ख) महानगरीय भीड़भाड़ और मेट्रो

- यातायात और भीड़भाड़
- प्रदूषण की समस्या
- मेट्रो रेल की भूमिका
- मेट्रो के लाभ

(ग) ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन

- ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण
- ग्लोबल वार्मिंग से हानियाँ
- बचाव के उपाय

12. पुस्तकालय में हिंदी के प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने के लिए प्राचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

5

अथवा

आपकी बड़ी बहन को चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त हो गया है। इस सफलता के लिए बधाई-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

13. देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

5

अथवा

आपके नगर में मिठाई की एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।